हर पोस्ट के मिले 1.2 करोड़ रुपये

लॉकडाउन के दौरान इंस्टाग्राम पोस्ट से कमाई करने वाले स्पोर्ट्स स्टार्स में हालांकि विराट का नंबर छठा है, जबकि टॉप–10 में वह इकलौते इंडियन और क्रिकेटर हैं। विराट ने लॉकडाउन के दौरान कुल 3 प्रायोजित पोस्ट किए। उन्हें हर पोस्ट से औसतन 126431 पौंड (करीब 1.2 करोड़ रुपए) की कमाई हुई। बता दें कि कोहली के इंस्टाग्राम पर 6.2 करोड़ फॉलोवर्स हैं।

विराट कोहली ने लॉकडाउन में घर बैठे कमाए 3.6 करोड़

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। किलर महामारी कोरोना वायरस की वजह से जानें जा ही रही हैं तो लॉकडाउन की वजह से लोग अपनी जॉब को लेकर भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ऐसे मुश्किल वक्त में जहां लोग आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं तो भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने करीब 3.6 करोड़ रुपये की कमाई की। रोचक बात यह है कि उनकी यह कमाई घर बैठे हुई और महज 3 इंस्टाग्राम स्पॉन्सर्ड पोस्ट से।

रोनाल्डो लिस्ट के टॉपर: इस लिस्ट में पुर्तगाली फुटबॉलर और युवेंट्स स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो टॉपर हैं। उन्होंने 12 मार्च से 14 मई के दौरान 1,882,336 पौंड (करीब 17.9 करोड़ रुपए) की कमाई की। रोनाल्डो के 22.2 करोड़ फॉलोवर हैं। वह इंस्टाग्राम पर फॉलो किए जाने के मामले में दुनिया में पहले नंबर पर हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में लॉकडाउन 25 मार्च से लगाया गया था।

मेसी दूसरे तो नेमार हैं तीसरे नंबर पर: उम्मीद के अनुसार, रोनाल्डो के बाद बार्सिलाना क्लब के लिए खेलने वाले अर्जेंटीनी फुटबॉलर लियोनल मेसी का नंबर आता है। 15.1 करोड़ फॉलोवर वाले मेसी ने 4 पोस्टों से 1299373 पौंड की कमाई की।

टी20 विश्व कप के लिए उचित समय का इंतजार करे आईसीसी

क्रिकेट

वसीम अकरम दर्शकों के बिना टी20 विश्व कप के पक्ष में नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कराची। पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम दर्शकों के बिना टी20 विश्व कप के पक्ष में नहीं हैं और उनका मानना है कि कोरोना वायरस महामारी पर काबू पाने के बाद आईसीसी को इस टूर्नमेंट की मेजबानी के लिए उचित समय का इंतजार करना चाहिए। ऐसी अटकलें हैं कि कोरोना महामारी के कारण जारी यात्रा प्रतिबंधों के चलते ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर नवंबर में होने वाला टी20 विश्व कप स्थगित किया जा सकता है।

अकरम ने कहा, 'निजी तौर पर मुझे यह सही नहीं लगता। दर्शकों के बिना विश्व कप कैसे हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'विश्व कप का मतलब है खचाखच भरे स्टेडियम। दुनिया भर से दर्शक अपनी टीमों के समर्थन के लिए आते हैं।यह सब माहौल की बात है

और दर्शकों के बिना क्या माहौल बनेगा।' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद टी20 विश्व कप को लेकर 10 जून को फैसला लेगी।

अकरम ने कहा, 'मेरा मानना है कि आईसीसी को सही समय का इंतजार करना चाहिए। एक बार इस महामारी पर काबू आ जाए और यात्रा की पाबंदियां हट जाए तो विश्व कप अच्छे से होगा।' गेंद पर लार के इस्तेमाल पर रोक के मसले को लेकर उन्होंने कहा कि आईसीसी को इसका त्वरित समाधान निकालना होगा।

उन्होंने कहा, 'तेज गेंदबाजों को लार के इस्तेमाल पर रोक पसंद नहीं आएगी। पसीने से वह बात नहीं आ पाती। ज्यादा पसीने से गेंद गीली हो जाएगी। आईसीसी को इसका त्वरित समाधान निकालना होगा।'

क्रिकेट शुरू करने के लिए बेसब्र पाकिस्तान बोर्ड!

कराची। कोरोना वायरस महामारी के बढ़ते संक्रमण के बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड जुलाई में अपनी टीम के इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिए शिविर आयोजित करने की सरकार से मंजूरी मांगेगा। पीसीबी के आला अधिकारी शिविर की तैयारियों की योजना बनाने में मसरूफ है जबकि पाकिस्तान में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा, 'कई विकल्पों पर विचार किया जा रहा है लेकिन सबसे अहम यह है कि बोर्ड को सरकार से मंजूरी मिले।' बोर्ड लाहौर स्थित हाई परफॉर्मेंस सेंटर में शिविर लगाना चाहता है लेकिन वहां एक समय में 20 खिलाड़ियों के रहने की सुविधा नहीं है। अधिकारी ने कहा, 'मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता मिसबाह उल हक कम से कम 25 खिलाड़ियों को शिविर में चाहते हैं और सूची को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

टीम से ड्रॉप हुआ था तब एक महीने घर से नहीं निकला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने हाल में कहा कि एक समय वह डिप्रेशन में आ गए थे और रोज उनके मन में खुदकुशी के ख्याल आते थे। अब उनके बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर डोडा गणेश ने भी अपने पुराने अनुभव साझा किए। गणेश ने बताया कि जब उन्हें नैशनल टीम से ड्रॉप किया गया था, तो वह करीब एक महीने तक अपने घर से नहीं निकले थे।

करियर में 4 टेस्ट और 1 वनडे इंटरनैशनल मैच खेलने वाले गणेश ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट शेयर किए। उन्होंने कहा कि साल 1997 उनके लिए काफी मुश्किल भरा रहा जब टीम से

पूर्व भारतीय क्रिकेटर डोडा गणेश ने अपने पुराने अनुभव साझा किए

उन्हें ड्रॉप किया गया।

46 वर्षीय गणेश ने कहा कि साल 1997 में उन्हें टीम से ड्रॉप किया गया था लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत की और घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन किया। इसी के बूते उन्हें उम्मीद थी कि फिर से टीम इंडिया की जर्सी पहनने का मौका मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं हो सका। उन्होंने लिखा, 1997, 1998 और 1999 में मैंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया। साल 1999 में कर्नाटक रणजी चौंपियन बना और तब मैंने कुल 63 विकेट लिए। मुझे उम्मीद थी कि 1999 वर्ल्ड कप टीम में मौका मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने यहां तक लिखा कि जिन खिलाड़ियों का प्रदर्शन उनसे अच्छा नहीं था, उन्हें भी टीम में मौका मिला।

उनसे पहले भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा था कि 2009 से 2011 का वक्त उनके लिए बेहद मुश्किल रहा। इस दौरान वह डिप्रेशन में आ गए थे और रोज उनके मन में खुदकुशी के ख्याल आते थे।

लारा को एक जगह पर गेंद फेंको तो भी अलग–अलग शॉट खेलते

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दुनिया के दिग्गज बल्लेबाजों में शुमार ब्रायन लारा की तारीफ कई क्रिकेटर कर चुके हैं। क्रिकेट करियर के दौरान उनकी तुलना गॉड ऑफ क्रिकेट सचिन तेंडुलकर से भी होती रही। अब पूर्व ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा है कि यदि वह लारा को एक ही जगह पर छह गेंद फेंकते तो वेस्ट इंडीज का यह पूर्व क्रिकेटर उन्हें छह अलग–अलग दिशा में मारने की काबिलियत रखता है। ली ने क्रिकबज से बातचीत के दौरान कहा, श्लारा शानदार बल्लेबाज रहे। यदि आप एक ही जगह पर छह गेंद उनके सामने करते तो वह छह अलग–अलग दिशा में उन्हें भेज सकते थे।

2 बार वर्ल्ड कप चौंपियन टीम के सदस्य रहे ली ने आगे कहा कि सचिन तेंडुलकर बेस्ट बल्लेबाज हैं, जिन्होंने उनकी गेंदों का सामना किया। उन्होंने कहा, श्सचिन के पास एक्स्ट्रा टाइम होता है। आप जानते हो कि आप महान खिलाड़ियों का सामना कर रहे हो लेकिन सचिन के पास गेंद खेलने के लिए अतिरिक्त समय होता था। मुझे लगता है कि सचिन दुनिया के बेस्ट बल्लेबाज रहे। उन्होंने कहा कि साउथ अफ्रीका के दिग्गज जैक कैलिस कंप्लीट क्रिकेटर थे।

न्यूज डायरी

कोरोना: विंडीज के क्रिकेटरों ने इंग्लैंड जाने से किया इनकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) किंग्स्टन। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के मुख्य कार्यकारी जॉनी ग्रेव ने खुलासा किया कि डेरेन ब्रावो, शिमरोन हेटमायर और कीमो पॉल ने अपने परिवार की चिंता के कारण कोविड–19 महामारी के बीच इंग्लैंड का दौरा करने से इनकार किया। ये तीनों सभी प्रारूपों के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी हैं, लेकिन इन्होंने अगले महीने होने वाली सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करने से मना कर दिया। ग्रेव ने कहा कि वह इसके पीछे का कारण समझ सकते हैं और उन्हें उनसे सहानुभूति है। ग्रेव ने कहा, 'कीमो पॉल अपने पूरे बड़े परिवार का अकेला कमाने वाले हैं। वह सचमुच काफी चिंतित थे कि अगर उन्हें कुछ हो गया तो उनका परिवार कैसे चलेगा।' पॉल ने बोर्ड को ईमेल लिखकर दौरे से हटने के अपने फैसले का कारण बताया। ग्रेव ने पॉल के बारे में कहा, 'उन्होंने बताया कि यह फैसला कितना कठिन था और वह वेस्टइंडीज के लिए खेलना कितना पसंद करते हैं लेकिन परिवार के साथ डिसकस के बाद उन्हें नहीं लगता कि वह उन्हें छोड़ कर जा सकते हैं इसलिए वह इस दौरे पर नहीं जाना चाहते।'

संगकारा को याद आया पाकिस्तान में टीम बस पर हुआ खौफनाक आतंकी हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट टीम 2009 में पाकिस्तान दौरे पर आई थी। उस वक्त यहां जो हुआ वह क्रिकेट वर्ल्ड को दहलाने के लिए काफी था। श्रीलंकाई टीम के बस पर आतंकी हमला हुआ था। कई खिलाड़ियों को चोट आई थी और उसके बाद से आज तक पाकिस्तान में पूरी तरह से क्रिकेट की वापसी नहीं हो पाई है। उस दौरान टीम में शामिल कुमार संगकारा ने 3 मार्च, 2009 को हुए उस भयानक मंजर को याद किया है। उन्होंने एक लाइव चौट के दौरान उस खौफनाक घटना को याद करते हुए बताया कि किस तरह पूरी टीम में दहशत का माहौल था हर कोई खौफ में था। उन्होंने बताया, श्उस समय जब हम पाकिस्तान जा रहे थे तो सुरक्षा बड़ा मुद्दा था। हमने सुरक्षा को लेकर अपनी चिंताओं के बारे में बोर्ड को बताया था और खिलाड़ियों के लिए बीमा तलाश रहे थे। इसलिए हमने बड़ी सहजता से बोर्ड को इनकार कर दिया, लेकिन हमें बताया गया कि उन्होंने सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आधार काम किए हैं, इसलिए हम गए।

ब्रेक के बाद कुछ टॉप शटलरों की ट्रेनिंग फिर शुरू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों अश्विनी पोनप्पा और लक्ष्य सेन उन लगभग 20 खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने बेंगलुरू की प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकैडमी (पीपीबीए) में दोबारा ट्रेनिंग शुरू कर दी है। इससे खेल ने कोविड–19 महामारी के कारण ब्रेक के बाद दोबारा बहाली की ओर पहला कदम बढ़ाया। कोरोना वायरस महामारी के संक्रमण को रोकने के लिए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण दो महीने से अधिक समय तक बैडमिंटन खिलाड़ियों को अपने–अपने घरों में ही रुकना पड़ा। अब इनमें से कई खिलाड़ियों ने पीपीबीए में ट्रेनिंग शुरू कर दी है। इससे पहले भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने पिछले महीने के अंत में ट्रेनिंग दोबारा शुरू करने को लेकर नियम तय किए थे। पीपीबीए के मुख्य कोच और निदेशक विमल कुमार ने कहा, 'कुछ शीर्ष राष्ट्रीय खिलाड़ी पिछले दो हफ्तों से यहां ट्रेनिंग कर रहे हैं।

गोल्फ से अर्जुन अवॉर्ड के लिए राशिद खान, अदिति अशोक और दीक्षा हुए नॉमिनेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। गोल्फर राशिद खान, अदिति अशोक और दीक्षा डागर के नाम की सिफारिश राष्ट्रीय महासंघ ने इस साल अर्जुन अवॉर्ड के लिए की है। राशिद विश्व रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर काबिज भारतीय गोल्फर हैं जबकि 2016 रियो ओलिंपिक में हिस्सा ले चुकीं अदिति देश की एकमात्र गोल्फर हैं जो इस समय अमेरिका में लेडीज पीजीए टूर में खेल रही हैं। उन्होंने लेडीज यूरोपीय टूर में तीन जीत हासिल की हैं। दीक्षा ने महिलाओं का साउथ अफ्रीकन ओपन खिताब जीता था और 2017 डेफलिम्पिक्स में रजत पदक जीतने वाली इस गोल्फर का तोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाई करना सुनिश्चित था लेकिन ये स्थगित हो गए। भारतीय गोल्फ संघ ने उनके नाम की सिफारिश की।